देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 278 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

विचार–प्रवाह...
बंद होते अमेरिका के दरवाजे

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 11.0°

82924.41

2 गाजा मुद्दे पर फंसे जॉर्डन किंग

7 पाटीदार बने आरसीबी का नया कप्तान

वक्फ बिल पर जेपीसी रिपोर्ट संसद में पेश

खरगे ने जेपीसी की रिपोर्ट को बताया फर्जी तो फूटा नड्डा का गुस्सा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली जेपीसी की रिपोर्ट गुरुवार को राज्यसभा के पटल पर रखी गई। मेधा कुलकर्णी ने इस रिपोर्ट को राज्यसभा में पेश किया। रिपोर्ट पेश होते ही राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी सांसदों का कहना है कि जेपीसी की रिपोर्ट से विपक्षी सांसदों द्वारा जारी की गई डिसेंट नोट को हटा दिया गया है, जोकि असंवैधानिक है। तिरुचि शिवा ने कहा कि जो सदस्य कमेटी में होते हैं, उनकी असहमति को लेकर डिसेंट नोट के साथ रिपोर्ट का नियम है. इसमें इसका पालन नहीं किया गया।

विधेयक पर आपत्ति जताते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह विधेयक सही नहीं है। यह फर्जी रिपोर्ट है। हम इसे नहीं मानेंगे। सांसदों की राय को दबाया गया है। खरगे ने कहा कि एक बार फिर इस रिपोर्ट को जेपीसी के पास भेजा जाए। जेपी नड्डा को ये कदम उठाना चाहिए।

खरगे ने कहा कि हमारी असहमति नजरअंदाज की गई। इसके बाद खरगे ने कहा कि वक्फ बिल पर हमारे अनेक सदस्यों ने डिसेंट नोट्स दिए हैं। उनको प्रॉसीडिंग से निकालना अलोकतांत्रिक है। जितने लोगों ने डिसेंट नोट्स दिए हैं, क्या उनमें से कोई पढ़ा–लिखा नहीं है। आपको उसे अपनी रिपोर्ट में डालकर बोलना चाहिए। उसको डिलीट करके आप रिपोर्ट दे रहे हैं। ऐसी फर्जी रिपोर्ट को हम नहीं मानते, सदन कभी नहीं मानेगा।आप डायरेक्शन दीजिए और सभी डिसेंट नोट्स को शामिल करके रिपोर्ट पेश कीजिए। जो स्टेकहोल्डर्स नहीं हैं, उनको बाहर से बुला–बुलाकर उनके व्यूज लिए गए।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा नड्डा साहब पुराने नेताओं को सुनते हैं। आपका इंफ्लूएंस भी हैं। आप इसे जेपीसी को भेजिए और संवैधानिक तरीके से फिर लाइए, हम देखेंगे।

कोई भी हिस्सा डिलीट नहीं

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि सचिवालय से इस बात की पुष्टि कराई गई है कि जेपीसी रिपोर्ट का कोई भी हिस्सा डिलीट नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने जेपीसी को और समय देने की मांग की है। जेपीसी की तरह के व्यापक विचार विमर्श और मंथन का काम किसी भी समिति ने इतिहास में नहीं किया है।

देश विरोधियों का हाथ मजबूत कर रही कांग्रेसः नड्डा

खरगे के आरोपों पर जेपी नड्डा ने कहा कि सभापति ने पूरी तत्परता के साथ विपक्ष को पूरा मौका दिया और ये चाहा कि उनकी चिंताएं चर्चा में आएं। विपक्ष का उद्देश्य चर्चा करना नहीं, अपना पॉइंट स्कोर करने का था। जेपी नड्डा ने आगे कहा कि संसदीय कार्य मंत्री ने बड़े स्पष्ट शब्दों में कहा कि कुछ भी डिलीट नहीं किया गया और सबकुछ है। ये तुष्टिकरण की राजनीति है। कुछ लोग भारत स्टेट के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। जो लोग देश को खंडित करने का काम कर रहे हैं, उनका हाथ मजबूत करने का काम कांग्रेस कर रही है।

मुसलमानों से वक्फ छीनने और बर्बाद करने के लिए लाए बिल

एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को असंवैधानिक करार दिया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह अनुच्छेद 14, 15 और 29 का गंभीर उल्लंघन है। यह बिल मुसलमानों से वक्फ छीनने और उन्हें बर्बाद करने के लिए लाया जा रहा है। हम इस विधेयक की निंदा करते हैं। भाजपा और एनडीए द्वारा पेश किए गए संशोधनों ने इसे और भी खराब बना दिया है। आप मुझे बताएं मुस्लिम वक्फ संपत्तियों में गैर–मुस्लिम सदस्य को कैसे शामिल किया जा सकता है? कलेक्टर कैसे तय करेगा कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं?

संक्षिप्त समाचार

अमानतुल्लाह को राहत, 24 फरवरी तक गिरफ्तारी पर रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट में आप विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने अमानतुल्लाह को जांच में शामिल होने के लिए कहा है।

सीएम हाउस से होती थी अपहरण की डील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज पटना। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साले और पूर्व सांसद सुभाष यादव ने लालू यादव पर बड़ा आरोप लगाया है। सुभाष यादव ने कहा कि एक समय में अपहरण के मामले में लेनदेन की बातचीत मुख्यमंत्री निवास में होती थी। उस समय के तत्कालीन सीएम लालू स्वयं फिरौती के लिए डील करते थे।

बजट को बहुत ही कठिन समय में किया गया तैयार

वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्यसभा में बजट बहस पर दिया जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को राज्यसभा में बजट बहस पर जवाब दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2025–26 में कई क्षेत्रों और राज्यों के लिए आवटंन में कटौती के विपक्ष के आरोपों को निराधार करार देते हुए राज्यसभा में कहा कि आयकर सीमा बढ़ाने सहित बजट में घोषित विभिन्न उपायों से मध्यम वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी।

सीतारमण ने कहा कि उच्च सदन में आम बजट पर चर्चा में 90 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि बजट में उन सभी समस्याओं को ध्यान में रखा गया है जो आज देश के समक्ष हैं।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस बार बजट इस प्रकार बनाया है, जिससे विकास को गति मिल सके, समावेशी विकास को हासिल किया जा सके, निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिल सके, गृहस्थ लोगों की भावनाओं को बल दिया जा सके तथा भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से क्रय शक्ति बढ़ायी जा सके। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद के समय ने राज्यों को उधार लेने के लिए मजबूर किया है। न केवल भारतीय राज्यों को अन्य देशों को भी कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए उधार लेना पड़ा। बढ़ता कर्ज एक समस्या है... वैश्वीकरण बनाम विखंडन, वास्तविकता है।

बजट में चार वर्गों पर विशेष ध्यान

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में चार वर्गों–गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि पूरी अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं में इन वर्गों का ध्यान रखा गया है ताकि उन्हें लाभ मिल सके। सीतारमण ने कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय पर पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने पिछले साल के आंकड़े देते हुए कहा कि आगामी वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय में कोई कमी नहीं की गयी है।

महाकुंभ में पांचवें मुख्य स्नान के बाद भी भीड़ बरकरार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महाकुंभ नगर। दिव्य और भव्य महाकुंभ में माघी पूर्णिमा बीते जाने के बाद भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। देश–विदेश से स्नानार्थियों के आने के क्रम निरंतर जारी है। पांचवें मुख्य स्नान पर्व बीतने के साथ ही यातायात भी सुगम है, जिसके चलते शहर से नो व्हीकल जोन को समाप्त कर दिया गया है। इससे शहरवासी भी संगम पहुंचकर पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। प्रयागराज आने वाले मार्गों पर भी यातायात सामान्य है और नियमित रूप से गाड़ियां आ–जा रही हैं।

उधर, मेला क्षेत्र में भी कल्पवासियों के वाहनों को प्रवेश दिया जाने लगा है, ताकि वह सकुशल अपने–अपने घरों तक पहुंच सकें। गुरुवार से कल्पवासियों के लौटने का भी सिलसिला शुरू हो चुका है। माघी पूर्णिमा पर स्नान प्रारंभ होने से पहले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। ऐसे में उनकी सुरक्षा के दृष्टिगत मेला क्षेत्र के साथ ही प्रयागराज शहर को भी नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया था। यातायात सुगम रहा, जिस कारण नो व्हीकल जोन को समाप्त कर दिया गया। वहीं, गुरुवार को भी स्नानार्थियों की भारी भीड़ रही।

महाकुंभ

■प्रयागराज में नो व्हीकल जोन खत्म

बड़े वाहनों को मेले में प्रवेश नहीं

कल्पवास कर रहे कल्पवासी अपना–अपना सामान लदवाने के लिए ट्रैक्टर और उससे छोटे वाहनों को मेला क्षेत्र में ला सकते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कल्पवासियों को वाहनों को रात आठ से सुबह चार बजे तक मेला क्षेत्र में प्रवेश के अनुमति दी गई है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

यूजीसी–फर्जी शिकायतकर्ता पर लगेगा जुर्माना

संवाददाता

■कोई भी व्यक्ति, दूसरी व्यक्ति की फर्जी शिकायत नहीं करा पाएगा दर्ज

देहरादून। उत्तराखंड समान नागरिक संहिता के तहत होने वाले आवेदनों पर कोई भी व्यक्ति, दूसरी व्यक्ति की फर्जी शिकायत दर्ज नहीं करा पाएगा। ऐसा करने पर संबंधित व्यक्ति पर जुर्माना लगाया जा सकता है। जिसकी वसूली भू राजस्व की तर्ज पर की जाएगी। इस तरह सरकार ने यूसीसी के तहत होने वाले आवेदनों पर, झूठी शिकायतों से अड़ंगा लगाने वालों को भी दूर रखने का प्रावधान किया है।

अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती ने बताया कि समान नागरिक संहिता के तहत होने वाले आवेदनों और पंजीकरणों को हर तरह से विवाद रहित बनाने का प्रयास किया है। इसके तहत समान नागरिक संहिता, नियमावली के अध्याय 6 के नियम 20 में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति, किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ मिथ्या शिकायत दर्ज कराता है तो उसे पहली बार में भविष्य के लिए सचेत किया जाएगा।

न्यूज डायरी

सऊदी अरब में होगी ट्रंप और पुतिन में शांति वार्ता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच जल्दी ही बैठक हो सकती है। दोनों नेताओं में यह मुलाकात सऊदी अरब में होगी। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने पुतिन से फोन पर बात की, जो बहुत अच्छी रही। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनकी रूसी राष्ट्रपति से यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की सहमति बन गई है। इस बातचीत में एक अहम पक्ष यानी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की शामिल नहीं थे। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने बाद में ये जरूर कहा कि जेलेंस्की भी रूस के साथ शांति के पक्षधर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप की इस मुलाकात में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल होंगे। मोहम्मद बिन सलमान ने हाल ही में रूस और अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली में सकारात्मक भूमिका निभाई है। अब यूक्रेन-रूस युद्ध में उनकी भूमिका पर नजर है। ट्रंप ने हालांकि पुतिन के साथ सऊदी अरब में मुलाकात की तारीख नहीं बताई है। ट्रंप का कहना है कि ये बैठक जल्दी ही होगी। क्रेमलिन की ओर से भी इस बातचीत की पुष्टि की गई है। क्रेमलिन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह बातचीत करीब डेढ़ घंटे तक चली। इस दौरान पुतिन और ट्रंप ने मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। पुतिन ने ट्रंप को रूस आने का न्योता भी दिया है।

अमेरिका ने नाटो मेंबरशिप पर यूक्रेन को दिया झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन को नाटो सदस्यता पर समर्थन से इनकार किया है, साथ ही उसकी रूस से अपनी जमीन वापसी की मांग को भी खारिज कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की लिए ये बड़ा झटका है, क्योंकि अमेरिका रूस के खिलाफ लड़ाई में उसका सबसे बड़ा मददगार है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ब्रूसेल्स में नाटो की मीटिंग में कहा कि यूक्रेन को 2014 वाली सीमाओं में वापस लाना अवास्तविक और सपनों जैसी बात है। इससे कुछ नहीं होगा, सिर्फ युद्ध लंबा चलेगा। हेगसेथ ने कहा, युद्ध खत्म करने और स्थायी शांति के लिए जमीनी हकीकत को समझाना होगा। हम एक संप्रभु और समृद्ध यूक्रेन चाहते हैं लेकिन 2014 की सीमाओं पर लौटने की बात सच्चाई से परे है। इस तरह की यूक्रेन की मांग से सिर्फ युद्ध लंबा चलेगा और ज्यादा लोग मारे जाएंगे।श उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध रोकना और शांति स्थापित करना चाहते हैं। वह रूस और यूक्रेन को बातचीत के लिए मेज पर लाना चाहते हैं। इसके लिए व्यावहारिक रुख अपनाना होगा। हेगसेथ ने इस दौरान कहा कि यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी की जरूरत है। सुरक्षा की बात को अमेरिका मानता है लेकिन यूक्रेन को नाटो सदस्यता शांति समझौते के लिए ठीक नहीं है।

यूएन की रिपोर्ट में सामने आए बांग्लादेश के भयावह हालात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश में बीते साल 2024 में शेख हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और उसके बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के दौरान हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कमिश्नर के कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट दी है। इस रिपोर्ट ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को कमतर बताने की कोशिश करने वाली मोहम्मद यूनुस सरकार की कलई खोल दी है। वहीं शेख हसीना पर भी सरकार में रहते हुए समय भी छात्र आंदोलन को दबाने के लिए मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगे हैं। रिपोर्ट कहती है कि 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान कम से कम 1,400 लोग मारे गए थे। यह रिपोर्ट 16 सितंबर, 2024 से शुरू हुई जांच पर आधारित है। इसे डॉक्टर, हथियार विशेषज्ञ, जेंडर एक्सपर्ट, मीडिया और कानूनी सलाहकार और ओपन-सोर्स विश्लेषकों की टीम ने तैयार किया है।

हमारे देश के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे: पीएम मोदी

रिपोर्ट

पीएम मोदी ने अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड से मुलाकात की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। पीएम मोदी दो दिवसीय अमेरिकी दौरे पर हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह उनसे पहली मुलाकात होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल स्तर की कई बैठकें भी होंगी। पीएम मोदी, एलन मस्क समेत कई दिग्गज बिजनेस लीडर्स के साथ भी मुलाकात करेंगे।

अमेरिका पहुंचने के बाद उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के साथ बैठक की। पीएम मोदी और गबार्ड ने भारत-अमेरिका दोस्ती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

राष्ट्रीय खुफिया विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहीं तुलसी, एक सैन्य अधिकारी रह चुकीं हैं। वो इराक और कुवैत में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका में हिंदुओं के मुद्दों को मुखरता से उठाया है।

तुलसी गबार्ड खुद को हिन्दू बताती हैं, लेकिन वो भारतीय मूल की नहीं हैं। उनकी मां कैरल ने हिन्दू धर्म अपना लिया जबकि उनके पिता रोमन कैथोलिक ईसाई थे। हिन्दू धर्म के प्रभाव के कारण ही कैरल ने अपने बच्चों के हिन्दू नाम रखे। बता दें कि साल 2022 में तुलसी गबार्ड, डेमोक्रेटिक पार्टी को छोड़कर रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गईं थीं। ट्रंप ने चुनावी बहस में हैरिस को हराने के लिए तुलसी से मदद भी मांगी थी। अमेरिकी में जन्मी तुलसी गबार्ड के पिता समोआ और यूरोपीय वंश के हैं। हिंदू धर्म में उनकी रुचि के कारण उन्होंने उनका नाम तुलसी रखा।

अमेरिका पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मैं राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने और भारत-अमेरिका ग्लोबल रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। हमारे देश अपने लोगों के लाभ और हमारे ग्रह के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

एयरपोर्ट से निकलकर पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस ब्लेयर हाउस पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा कर पीएम मोदी अमेरिका पहुंचे हैं। फ्रांस में पीएम मोदी ने एआई समिट में शिरकत की। भारतीय समुदाय की एक सदस्या अलका व्यास ने कहा कि मैं पीएम मोदी की डाई हार्ट फैन हूं। मैं वास्तव में उनकी प्रशंसा करती हूं जो वह हमारे देश के लिए और भारत के कर रहे हैं...हम उन्हें यहां समर्थन करने के लिए यहां हुए हैं।

पीएम मोदी ने वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी डीएनआई तुलसी गबार्ड के साथ बैठक की। पीएम मोदी और गबार्ड ने भारत-अमेरिका दोस्ती के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

अमेरिका ने चलाया डंडा तो ईरान के समर्थन में अड़ा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज वॉशिंगटन। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के ताजा आदेश से ईरान के चाबहार पोर्ट में भारत के निवेश पर खतरा मंडराने लगा है। अमेरिका ने भारत को चाबहार पोर्ट पर ट्रंप प्रशासन के पहले दौर में छूट दी थी लेकिन अब इसे खत्म करने का निर्देश दिया है। भारत ने अमेरिका के इस कदम पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि चाबहार पोर्ट के लिए उसकी प्रतिबद्धता बरकरार रहेगी। भारत ने कहा कि चाबहार पोर्ट ने अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों के साथ संपर्क बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। चाबहार पोर्ट को लेकर चल रहे इस तनाव के बीच पीएम मोदी अमेरिका पहुंच गए हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संग उनकी अहम बैठक होनी है। विल्सन सेंटर में दक्षिण एशियाई मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगलमैन ने लिखा, पीएम मोदी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप की ईरान के खिलाफ दबाव की नीति से भारत चाबहार पोर्ट के विकास पर पड़ने वाले असर पर सफाई मांग सकते हैं। चाबहार पोर्ट भारत के मध्य एशिया के साथ ईरान और अफगानिसतान के रास्ते व्यापार और कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास का हिस्सा है।

भारत के पड़ोसी दोस्त ने तुर्की के साथ की महाडील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जकार्ता। तुर्की का बायरकतार टीबी3 ड्रोन दुनिया का सबसे अत्याधुनिक किलर ड्रोन माना जाता है। यूक्रेन युद्ध में तुर्की के इस ड्रोन ने रूसी सेना पर कहर बरपाया है। वहीं, अजरबैजान ने इसी ड्रोन से तबाही मचाकर आर्मेनिया को युद्ध में ही हरा दिया। इसके अलावा अफ्रीकी देशों में भी इस ड्रोन का जमकर इस्तेमाल हो रहा है। वहीं अब भारत के दोस्त इंडोनेशिया ने तुर्की के इस ड्रोन को देश में ही बनाने के लिए गेम चेंजर डिफेंस समझौता किया है। माना जा रहा है कि ये डिफेंस समझौता दक्षिण पूर्व एशिया के डिफेंस जगत पर गहरा असर डालने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशियाई और तुर्की की रक्षा कंपनियों ने एक ज्वाइंट वेंचर के तहत ड्रोनों के उत्पादन के लिए एक समझौते पर दस्तखत किए हैं।

ट्रंप के साथ मीटिंग में गाजा मुद्दे पर फंसे जॉर्डन किंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ट्रम्प ने गाजा को खाली करने का का प्रस्ताव रखा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के बीच मंगलवार, 11 फरवरी को व्हाइट हाउस में अहम मुलाकात हुई है। इस बैठक के दोनों पक्षों ने अच्छे माहौल खत्म होने की बात कही है लेकिन ये बातचीत किंग अब्दुल्ला को असहज करने वाली रही।

दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने अब्दुल्ला के सामने गाजा मुद्दे पर बात करते हुए इस क्षेत्र को खाली करने और फिलिस्तिनियों को दूसरे देशों में बसाने का प्रस्ताव रखा। इस पर अब्दुल्ला खुश नहीं थे और उनके चेहरे का तनाव बैठक के बाद सामने आई तस्वीरों में भी दिखा।

यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में गाजा को खाली करने और यहां के लोगों को पास के अरब देशों में बसाने की बात कही है। इस पर जॉर्डन समेत तमाम अरब देश सहमत नहीं है। गाजा के लोगों ने भी इसका विरोध कुया है। डोनाल्ड ट्रंप ने राजा अब्दुल्ला के सामने ये प्रस्ताव रखा तो उन्होंने इसके बजाय मिस्र और अरब देशों की एक वैकल्पिक योजना का समर्थन किया। हालांकि उन्होंने ट्रंप के प्रस्ताव को सीधे तौर पर अस्वीकार नहीं किया लेकिन अपनी असहमति जाहिर की। साथ ही मानवीय आधार पर गाजा के 2,000 बीमार बच्चों का इलाज जॉर्डन में करने की घोषणा करते हुए एक संतुलन भी बनाया।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने जब कहा कि गाजा के लोगों को दूसरे देशों में पनाह मिलनी चाहिए क्योंकि इससे स्थिरता आएगी तो बगल में बैठे किंग अब्दुल्ला ने प्रस्ताव को सीधे तौर पर अस्वीकार नहीं किया। हालांकि उनके चेहरे के भाव और बार-बार पलकें झपकाना उनके तनाव को स्पष्ट रूप से दर्शा रहा था। अब्दुल्ला ने कहा, मुझे लगता है कि हमें याद रखना होगा कि मिस्र और अरब राज्यों की एक योजना है।

गार्ड महिला के पास आकर मारता है जोरदार थप्पड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका के लॉस एंजिल्स से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लॉस एंजिल्स के टैको बेल रेस्टोरेंट में एक सिक्योरिटी गार्ड को एक महिला कस्टमर के साथ शारीरिक रूप से मारपीट करते हुए देखा गया, ये घटना वीडियो में कैद हुई है। सोशल मीडिया पर सामने आए फुटेज में महिला को गार्ड से दूर जाते हुए खुद को बचाने के लिए सेल्फ-सर्विस का इस्तेमाल करते देखा जा सकता है। जब गार्ड महिला के पास आता है और उसके चेहरे पर जोरदार थप्पड़ मारता है। अभी घटना के पीछे की वजह ठीक से स्पष्ट नहीं हो पाए हैं, लेकिन इस घटना को लेकर कुछ लोगों ने अनुमान लगाया है कि महिला के कारण ऐसी स्थिति पैदा हुई होगी। एलेजांद्रो सांचेज ने इस घटना की जानकारी दी है।

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

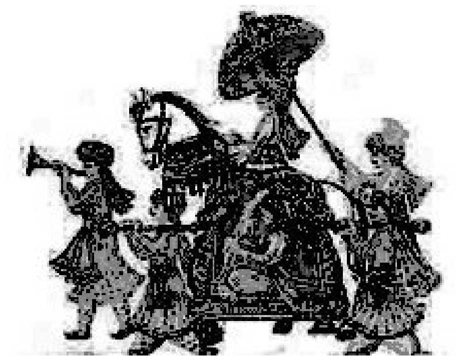

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

अधिक से अधिक लोगों को पासपोर्ट बनाने एवं नवीनीकरण की जा रही है अपील

अपील

13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है पासपोर्ट बनाने का मोबाइल वैन कैंप

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। भारत सरकार विदेश मंत्रालय क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के गुलाबराय मैदान में आज से 15 फरवरी, 2025 तक तीन दिवसीय पासपोर्ट बनाने एवं नवीनीकरण करने का मोबाइल कैंप आयोजित किया गया। पासपोर्ट मोबाइल कैंप का शुभारंभ जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने अपने पासपोर्ट का नवीनीकरण करते हुए तथा पत्नी एवं बच्चों का भी नया पासपोर्ट बनाया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि यह जनपद के लिए एक सुनहरा अवसर है जिसमें कोई भी व्यक्ति अपना पासपोर्ट एवं पासपोर्ट नवीनीकरण करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कैंप भारत सरकार विदेश मंत्रालय क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने सभी से अपेक्षा की है कि इस अवसर का अधिक से अधिक लोग लाभ उठाएं एवं अपना पासपोर्ट अवश्य बनाएं।

इस अवसर पर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विजय शंकर पांडेय ने अवगत कराया है कि भारत सरकार विदेश मंत्रालय क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय देहरादून के तत्वावधान में जनपद रुद्रप्रयाग के गुलाबराय मैदान में तीन दिवसीय मोबाइल वैन पासपोर्ट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जनपद वासियों से अपेक्षा की है कि पासपोर्ट बनाने का कार्य उनके ही द्वार पर किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इसका लाभ लेने को कहा है।

उन्होंने कहा कि एक दिन में 50 स्लॉट ही बुक किए जाने का लक्ष्य हैं तथा आज प्रथम दिन 50 स्लॉट बुक हैं जिनके पासपोर्ट बनाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से अपने पासपोर्ट बनाने के लिए स्लॉट बुक करने की अपेक्षा की है जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएं।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून के नीरज रतूड़ी, लोकेश उपाध्याय, अभिषेक सिंह सहित पासपोर्ट बनाने वाले आवेदक मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

योग महोत्सव में स्थानीय कलाकारों, योगाचार्यों को करें शामिलः महाराज

संवाददाता देहरादून। पर्यटन विकास परिषद मुख्यालय में गुरुवार को हुई बैठक में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने एक से सात मार्च तक ऋषिकेश में होने वाले योग महोत्सव की तैयारियों को परखा। अधिकारियों को निर्देश दिए की योग महोत्सव में स्थानीय कलाकारों और योगाचार्यों को शामिल किया जाए। बैठक में पर्यटन मंत्री महाराज ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के आयोजन में योग, ध्यान, स्वास्थ्य और सेहत से जुड़े कई कार्यक्रम होंगे। इसमें दुनिया भर के कई देशों से योगाचार्य भी हिस्सा लेंगे। ऐसे में पहले से ही व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

ज्यूरिख कोटक जनरल इंश्योरेंस ने देहरादून ट्रैफिक पुलिस से मिलाया हाथ

संवाददाता देहरादून। ज्यूरिख कोटक जनरल इंश्योरेंस कंपनी (इंडिया) लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण पहल की मेजबानी के लिए देहरादून ट्रैफिक पुलिस के साथ हाथ मिलाया है, जिसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और इंश्योरेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह आयोजन जनता को रोड सेफ्टी को लेकर जागरूक करने और व्हीकल इंश्योरेंस (वाहन बीमा) की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करने का एक सक्रिय प्रयास था, जिसमें प्रमुख स्टेकहोल्डर्स के एक अलग अलग ग्रुप ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सड़क सुरक्षा पर एक सामान्य चर्चा के साथ हुई, जहां अधिकारियों और विशेषज्ञों ने जिम्मेदार ड्राइविंग और यातायात नियमों के पालन के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

हरिद्वार के 7 छात्रों ने हासिल किए 99 प्रतिशत से अधिक अंक

संवाददाता हरिद्वार। परीक्षा तैयारी सेवाओं में अग्रणी देश के प्रमुख संस्थान, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा मेन्स 2025 (सत्र 1) में एक शानदार सफलता की घोषणा की है। हरिद्वार के उत्कृष्ट वेद जेईई मेन्स 2025 के पहले सत्र में 99.91 पर्सेंटाइल के साथ टॉप स्कोरर बने। हरिद्वार के 6 और छात्रों ने जेईई मेन्स 2025 के पहले सत्र में 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें शिवांग गुप्ता 99.57 पर्सेंटाइल, पार्थ चौहान 99.54 पर्सेंटाइल,अक्षत चौहान 99.54 पर्सेंटाइल, नमित पंवार 99.51 पर्सेंटाइल, शिवांश वर्मा 99.47 पर्सेंटाइल, आशीष पांडे 99.08 पर्सेंटाइल के साथ शामिल हैं।

समय पर पानी का बिल न भरने वालों के खिलाफ जल संस्थान ने दिखाई शक्ति

संवाददाता पुरोला। गुरुवार को जल संस्थान के अधिशासी अभियन्ता देवराज तोमर के निर्देश पर समय पर बिल न जमा करने वाले उपभोक्ताओं के जल संयोजन विच्छेदित करने को लेकर टीम गठित की गई। टीम में समीक्षा अधिकारी सहायक अभियंता रजत डोभाल अपर सहायक अभियंता हरदेव लाल आर्य के नेतृत्व में पुरोला बाजार मे वार्ड नंबर 2 एवम् 3 में वसूली संबंधित अभियान चलाया गया।

वसूली टिम के द्वारा वार्ड नंबर 3 लोनिवि आवासीय कॉलोनी में वसूली अभियान चलाया गया व बिल भुगतान न करने वालों के जल संयोजन को विच्छेदित किया गया। टिम के द्वारा नगर के प्रत्येक वार्डों में घर घर जाकर वसूली अभियान चलाकर बिल

भुगतान न करने वालों उपभोक्ताओं के जल संयोजन विच्छेदित किए जा रहे हैं। अधिशासी अभियंता तोमर ने सभी उपभोक्ताओं से अपिल करते हुए कहा कि समय–समय पर बिलों का भुगतान कर विभाग को सहयोग दें।

वसूली टीम में कनिष्ठ अभियन्ता मुकेश चौहान, कुंती राणा कनिष्ठ अभियन्ता, रतनमणि बड़ोनी कनिष्ठ सहायक ,दीवान चौहान कनिष्ठ सहायक एवं टिम के सदस्य शामिल थे।

जिलाधिकारी ने किया कोषागार का वार्षिक निरीक्षण

संवाददाता चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने गुरुवार को जिला कोषागार का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कोषागार कार्यालय के साथ ही लॉकर रूम, रिकार्ड रूम और दस्तावेजों का निरीक्षण कर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने इस दौरान कोषागार के रख–रखाव को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कोषागार का निरीक्षण कर लॉकर रूम का निरीक्षण कर दो तालक पंजिका का मिलान करने के साथ ही दस्तावेजों का निरीक्षण किया। उन्होंने रिकार्ड रूम का निरीक्षण कर रिकार्ड रूम को व्यवस्थित करने के लिए कक्ष निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने और भवन में किए जाने वाले सुधारीकरण कार्य की कार्य योजना तैयार प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य कोषाधिकारी मामूर जहाँ, कोषाधिकारी पंकज श्रीवास्तव, सहायक कोषाधिकारी सुरेंद्र वर्मा, विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

उत्तराखंड ने 2023–24 में 33,737 करोड़ की परियोजनाएं आकर्षित कीं

संवाददाता

देहरादून। एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन के अनुसार, उत्तराखंड ने 2023–24 के दौरान नई परियोजनाओं में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों से 33,737 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, जिसमें मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे (राजमार्ग) में निवेश शामिल है, जबकि 2022–23 में नई परियोजनाओं में 11818 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। उक्त अवधि के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं 1463 करोड़ रुपये की थीं।

एमईएमई ईपीसी के चेयरमैन डॉ. डी.एस. रावत ने बताया कि इस अवधि के दौरान पूरी की गई निवेश

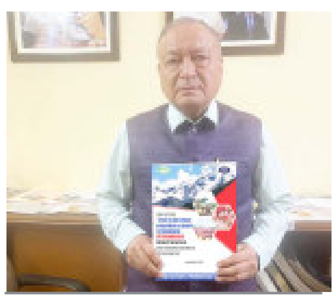

परियोजनाएं 2837 करोड़ रुपये की थीं, जबकि लंबित परियोजनाएं 283528 करोड़ रुपये की थीं, जबकि कार्यान्वयन के तहत परियोजनाएं 159987 करोड़ रुपये की थीं। उन्होंने आगे बताया कि यह जानकारी सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की 1 जनवरी 2025 तक की रिपोर्ट पर आधारित है।

अध्ययन में कहा गया है कि 58,000 से अधिक पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, जिनमें से लगभग 25 प्रतिशत अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इन इकाइयों में कार्यरत लोगों की नौकरियां खतरे में हैं।

रावत ने कहा कि वर्तमान में एमएसएमई क्लस्टरों में टूल रूम, नवाचार केंद्र, परीक्षण सुविधाएं आदि जैसी सुविधाएं अपर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं, इसलिए इन क्लस्टरों को नवाचार बुनियादी ढांचे वाली कंपनियों के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

शारदीय कांवड़ यात्रा के लिए ट्रैफिक प्लान लागू

संवाददाता हरिद्वार। शारदीय कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि को लेकर यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार कर लागू कर दिया है। कांवड़ यात्रा 15 से 26 फरवरी तक चलेगी। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने ट्रैफिक और पार्किंग प्लान का शत प्रतिशत पालन कराने के निर्देश दिए हैं। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि दिल्ली–मेरठ–मुजफ्फरनगर से स्नान के लिए हरिद्वार आने वाले वाहन दिल्ली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, नारसन मंगलौर, कोर कालेज ख्याति ढाबा से होकर शंकराचार्य चौक पहुंचेंगे और अलकनंदा, दीनदयाल, पंतद्वीप, चमगादड़ टापू में पार्क होंगे।

जीवन में कामयाब होने के लिए अच्छे मित्रों की जरूरत होती है परंतु ज्यादा कामयाब होने के लिए अच्छे शत्रुओं की जरूरत होती है। -अज्ञात

विचार-प्रवाह

देहरादून, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

पेज थ्री

www.page3news.in

राजनीतिक विभाजन

केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के बावजूद अगर पहले इस तरह का विभाजन नहीं दिखता था और अब दिख रहा है तो साफ है कि किसी न किसी स्तर पर ऐसी गड़बड़ी आई है या आ रही है जो पहले नहीं थी।

रहीस सिंह।।

यूजीसी कानूनों के मसौदे के विरोध में पांच राज्य सरकारों का एक साथ सामने आना कई सवाल खड़े करता है। हालांकि इन पांचों राज्यों कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में विपक्षी दलों का शासन है। ऐसे संकेत भी हैं कि भले इनके साथ एक मंच पर न आए हों, लेकिन कई अन्य राज्य भी इस मसौदे से असहमति रखते हैं।

अगर सिर्फ इन पांच राज्यों के विरोध की बात की जाए और यह मान लिया जाए कि इसके पीछे राजनीति की भी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका होगी तो भी यूनिवर्सिटियों के संचालन, वाइस चांसलरों की चयन प्रक्रिया और असिस्टेंट प्रफेसरों की नियुक्ति के लिए पात्रता जैसे मसलों पर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच राजनीतिक विभाजन गंभीर मसला है। केंद्र और राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकारों के बावजूद अगर पहले इस तरह का विभाजन नहीं दिखता था और अब दिख रहा है तो साफ है कि किसी न किसी स्तर पर ऐसी गड़बड़ी आई है या आ रही है जो पहले नहीं थी।

इन राज्यों की शिकायतों और सुझावों का जहां तक सवाल है तो ऐसे मामलों पर चलताऊ ढंग से कोई निष्कर्ष निकाल लेना सही नहीं होगा। लेकिन अगर राज्य सरकारों को वीसी के चयन में अपनी भूमिका पूरी तरह खत्म किए जाने पर एतराज है तो उनकी आपत्ति को एकबारगी खारिज नहीं किया जा सकता। शिक्षा आज भी समवर्ती सूची में है। ऐसे में इस बात का ख्याल रखना जरूरी है कि राज्यों की भूमिका के लिए पर्याप्त गुंजाइश बनी रहे।

केंद्र और राज्य सरकारों के रिश्तों में अगर हाल के वर्षों में तनाव बढ़ा है तो उसकी एक वजह खासकर विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों की अति-सक्रियता भी है। इससे इन राज्य सरकारों के बीच ऐसा संदेह बना है कि केंद्र राज्यपालों के जरिए उनके अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी करना चाहता है। बहुत संभव है कि यूजीसी नियमों के मसौदे पर मतभेदों के ऐसा रूप लेने के पीछे भी इन संदेहों का हाथ हो।

कारण चाहे जो भी हो, केंद्र और राज्यों के बीच इस तरह के संदेहों का कोई औचित्य नहीं बनता। इससे संविधान के संघीय ढांचे को भी देर-सबेर नुकसान पहुंचने का अंदेशा रहता है। बेहतर होगा इन मतभेदों को उपयुक्त मंचों पर और सामंजस्यपूर्ण तरीके से सुलझा लिया जाए।

परंपरा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। देवी स्वरूप में स्वीकारा है। उसकी पूजा की है। मनौती माँगी है। तटीय समाज में यह परंपरा है कि विवाह का पहला आमंत्रण नर्मदा जी को समर्पित किया जाता है। अमरकंटक में नर्मदा के उद्‌गम से लेकर भेड़ाघाट के धुँआधार, बरमान घाट, बांद्राभान और नर्मदापुरम् का सेठानी घाट, नेमावर और हंडिया, ओंकारेश्वर और महेश्वर से लेकर भरुच तक तीर्थ स्थलों की श्रृंखला विद्यमान है। यहाँ धर्म और आध्यात्म की सरिता सतत् प्रवाहमान है। एकादशी, पूर्णिमा और अमावस्या को दूर-दूर से श्रद्धालु जन नर्मदा स्नान के लिए आते हैं। ग्रीष्म, पावस, शीत कोई मौसम इस परंपरा में बाधक नहीं हो पाता। आज भी निर्जन तटों पर संन्यासियों और साधकों की कुटियाँ यत्र-तत्र दिख जाती हैं।

संपादकीय

भारतीयों का योगदान

भारतीयों का अमेरिका की अर्थव्यवस्था में काफी ज्यादा योगदान है। लेकिन ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान ही साफ कर दिया था कि उनकी वापसी के साथ ही अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू होगा। अमेरिका में बिना किसी वैध प्रयोजन के रह रहे लगभग 18,000 अवैध अप्रवासियों के लिए अंतिम निष्कासन आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिन्हें किसी भी समय भारत भेजा जा सकता है। अमेरिका द्वारा जारी किए गए एच-1बी वीजा ज्यादातर भारतीय लोगों को मिले हैं। ट्रंप ने अक्सर अपने इमीग्रेशन एजेंडे को लागू करने के लिए सेना का इस्तेमाल किया है। उन्होंने अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर सेना भेजी है, प्रवासियों को रखने के लिए सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल किया है और उन्हें अमेरिका से बाहर निकालने के लिए सैन्य विमानों का उपयोग किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका के इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट की सूची के अनुसार ऐसे करीब 20,427 भारतीयों की सूची हैं, जो अवैध प्रवासियों की श्रेणी में आते हैं। इनमें से 17,940 भारतीयों के मूल निवासी होने के पतों का दस्तावेजी सत्यापन भी हो चुका है। इन्हें भी अमेरिका से निकालने की कार्यवाही चल रही हैं। एक निजी एजेंसी के अनुसार अमेरिका में करीब 7.25 लाख भारतीय अवैध ढंग से रह रहे हैं। अगर देखा जाए तो अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकाले जाने की बात कोई नई नहीं है।

अमरीका ने अब 15 लाख विदेशियों की सूची तैयार की है, जिसमें से अभी उसने 18 हजार भारतीय ही गिनाए हैं, परन्तु इस समय लगभग सवा सात लाख भारतीय हैं, जो बिना कागजात के गैर-कानूनी ढंग से अमेरिका में रह रहे हैं।

बंद होते अमेरिका के दरवाजे

मनोज कुमार अग्रवाल।।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति के रूप में वापसी से न सिर्फ अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव आयेगा, बल्कि उनकी नीतियों का प्रभाव वैश्विक स्तर पर पड़ेगा, जिससे भारत भी अछूता नहीं रहने वाला है। सत्ता संभालने के साथ ही ट्रंप ने अपने देश में रह रहे अवैध प्रवासियों को निकालना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अवैध भारतीय अप्रवासियों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान भारत आया है। ट्रंप प्रशासन की ओर से पदभार संभालने के बाद देश के प्रवासियों पर यह पहली कार्रवाई है। अमेरिका में अवैध रुप से प्रवेश करने वाले 104 लोग भारत पहुंचे है।

अमेरिका से निर्वासित लोगों में 25 महिलाएं और 12 नाबालिग शामिल हैं, जिनमें से सबसे कम उम्र का बच्चा केवल 4 वर्ष का है जो गुजरात से है। इनमें पंजाब के 30, हरियाणा के 33, चंडीगढ़ के 2, गुजरात के 33, उत्तर प्रदेश के 3 व महाराष्ट्र के 3 लोग शामिल हैं। इनमें 48 लोग ऐसे हैं, जिनकी उम्र 25 वर्ष से कम है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों की वापसी

से भारत की चिंताएं बढ़ना स्वभाविक है, क्योंकि वहां काफी संख्या में अवैध तरीके से भारतीय प्रवासी रह रहे हैं। हालांकि इसमें भारत के लिए कुछ करने को ज्यादा नहीं है, क्योंकि अवैध रूप से प्रवेश करने वालों का समर्थन नहीं किया जा सकता है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कर दिया है कि भारत, भारतीय नागरिकों को वैध तरीके से वापस लेने को तैयार है।

इस मामले को लेकर संसद में भी हंगामा हुआ। अपमान भरे ढंग से भारतीयों को देश भेजे जाने पर कड़ी आपत्ति होना स्वाभाविक है। यह भी कि चाहे भारत ने यह मान लिया था कि वह सूची में दर्ज 18,000 देशवासियों को वापस लेने के लिए तैयार है, जो गैर-कानूनी ढंग से अमरीका में दाखिल हुए थे, परन्तु ट्रम्प प्रशासन की ओर से उन्हें बेइज्जत करके निकालने से देश का अपमान हुआ है। इस संबंध में विदेश मंत्री जय शंकर ने इतना जरूर कहा है कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अमरीका से निकाले जाने वाले भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार न हो। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि बिना दस्तावेजों के अमरीका में रह रहे भारतीयों का वहां से बेदखली का मामला नया नहीं है, यह सिलसिला पिछले वर्षों में भी चलता रहा है। वर्ष 2009-2010 तथा 2011 में वहां रह रहे हजारों भारतीयों को यहां भेजा गया था परन्तु जो तौर तरीका इस बार अपनाया गया है, वह बेहद आपत्तिजनक है। अमरीका में दशकों से लगभग 50 लाख भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ऐसे समाचार सामने आने से उनके सम्मान को भी ठेस लगना स्वाभाविक है। विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर इसलिए निशाने पर लिया है क्योंकि वह डोनाल्ड ट्रम्प की पहली पारी में और अभी भी उनके साथ दोस्ती का दम भरते रहे हैं। आगामी दिनों में वह अमरीका का दौरा कर रहे हैं। उससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प इन भारतीयों को इस शर्मनाक तरीके से निकालने से क्या सन्देश दे रहे हैं, यह देश के स्वाभिमान को चोट पहुंचाने वाली बात है।

सूडोकू नवताल-5410

★☆☆☆☆ कठिन

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -5409 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

अपना ब्लॉग

भारतीय वर्क परमिट

मोहन। भारत में आज भी अमेरिका में जाकर नौकरी करने का जबरदस्त क्रेज है और इसके चक्कर में तमाम लोग गिरोहों के जरिए वहां अवैध रूप से पहुंचाए जा रहे हैं। यह बात अलग है ये भारतीय अपनी मेहनत और ईमानदारी से वहां के आर्थिक विकास में भी अपना योगदान दे रहे हैं। इस घुसपैठ से वहां की कंपनियों को भी बहुत अधिक फायदा मिल रहा है। अमेरिकन कंपनियों को सस्ता श्रम उपलब्ध हो रहा है, क्योंकि कम वेतन में वहां अमेरिका के नागरिक उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि बहुत सारे भारतीय वर्क परमिट पर अमेरिका में प्रवेश करते हैं और बाद में जब इसकी अवधि समाप्त हो जाती है तो वे अवैध प्रवासी बन जाते हैं। माना जाता है कि ज्यादातर वही लोग देश से बाहर निकलना चाहते हैं, जो अधिक महत्वाकांक्षी हैं, जिन्हें विदेश में बेहतर भविष्य दिखाई देता है। उनकी ऐसी मनोस्थिति का एजेंट अधिक से अधिक लाभ उठाने का यत्न करते हैं।

पुराने राज और गद्दार फिर से सामने आने को तैयार!

भारत की सबसे चर्चित ओटीटी सीरीज श्एक बदनाम आश्रमश एक बार फिर स्क्रीन पर कब्जा जमाने के लिए तैयार है। समझिए कि फैंस का इंतजार खत्म होने वाला है, क्योंकि सीजन 3 का दूसरा भाग जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम होने वाला है। इस ओटीटी प्लेटफॉर्म ने शो का धमाकेदार टीजर जारी कर दिया, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी है। नेशनल अवॉर्ड विनर प्रकाश झा द्वारा निर्देशित और निर्मित इस रोमांचक क्राइम ड्रामा में दमदार स्टार कास्ट देखने को मिलेगी। बॉबी देओल के अलावा, शो में आदिति पोहनकर, चंदन रॉय सान्याल, त्रिधा चौधरी, दर्शन कुमार, विक्रम कोचर, अनुप्रिया गोयनका, राजीव सिद्धार्थ और ईशा गुप्ता अहम किरदारों में नजर आएंगे। बाबा निराला की सत्ता की वापसी, वफादार भक्तों की अटूट श्रद्धा और अंदरूनी साजिशों की गूंज, एक बदनाम आश्रम सीजन 3 पार्ट 2 के टीजर में सब साफ–साफ नजर आ रही है। इस बार कहानी में और भी सस्पेंस और रोमांच है। टीजर में बाबा निराला (बॉबी देओल) की खोई हुई ताकत फिर से लौटती दिख रही है, उनके अंधभक्त पहले से भी ज्यादा कट्टर नजर आ रहे हैं, लेकिन उनके करीबी लोगों के बीच तनाव भी साफ झलक रहा है।

हरे सूट में दीपिका सिंह ने पवन सिंह के गाने पर लगाए गजब के ठुमके

एक्ट्रेस दीपिका सिंह, जो संध्या बींदणी के नाम से घर–घर मशहूर हुई थीं। श्दीया और बाती हमश सीरीयल में इनके किरदार के लिए आज भी जाना जाता है। वह अक्सर अपने डांस स्टेप्स को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। इनका एक दिन पहले वीडियो सामने आया था, जहां ये टल्ली होकर ठुमक रही थीं और बाकी सब हंस रहे थे। वह शूटिंग के दौरान की क्लिप थी। वहीं, अब उन्होंने पवन सिंह के गाने पर डांस किया है, जिसके लिए तारीफ हो रही है। दरअसल, दीपिका सिंह ने चार दिन पहले एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। वह इन दिनों कलर्स के चैनल श्मंगल लक्ष्मीश में नजर आ रही हैं। लेकिन समय निकालकर फिटनेस और डांस से जुड़े रील्स बनाती रहती हैं और आलोचनाओं का शिकार होती हैं क्योंकि इनसे स्टेप्स होते ही कुछ फनी हैं। अब इन्होंने लेटेस्ट रील जो पोस्ट की है, उसे देख हर कोई हैरान है।

भारती सिंह–उर्फी को भी समन, अपूर्वा मखीजा और आशीष चंचलानी से पूछताछ

इंडियाज गॉट लेटेंट शो में माता–पिता को लेकर किए गए अश्लील कमेंट मामले में मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। साइबर सेल ने जानकारी दी थी कि कुल 30–40 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अब ताजा जानकारी ये है कि शो के मेंबर्स ओनली के अब तक जारी सभी छह एपिसोड में आए सारे जजों के नाम प्राथमिकी दर्ज हुई है। मुंबई पुलिस ने मामले में भारती सिंह, उर्फी जावेद, राखी सावंत, दीपक कलाल, रैपर रफ्तार, हर्ष लिम्बाचिया समेत सभी 30–40 आरोपियों को समन जारी किया है। इस बीच बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा ने पुलिस में अपना बयान दर्ज करवाया है। एक दिन पहले ही आशीष चंचलानी भी बयान दर्ज करवा चुके हैं। बताया जाता है कि केस दर्ज होने के बाद अपूर्वा मखजी को भी देर शाम खार पुलिस स्टेशन अपना बयान दर्ज करवाने पहुंची थीं। लेकिन देर शाम होने के कारण उन्हें सुबह आने के लिए कहा था। हालांकि, अभी तक रणवीर अल्लाहबादिया से पूछताछ नहीं हुई है। पुलिस ने वर्सोवा इलाके में उनके घर जाकर समन थमाया था। समझा जाता है कि रणवीर गुरुवार को खार स्टेशन में अपना बयान दर्ज करवाएंगे। दूसरी ओर, समय रैना इस वक्त देश के बाहर हैं। वकील ने बताया कि कॉमेडियन समय रैना विदेश में हैं और 17 मार्च को वापस लौटेंगे।

डर है कि राम चरण को फिर से बेटी हो सकती है

साउथ सिनेमा के मेगास्टार चिरंजीवी विवादों में फंस गए हैं। उन्होंने श्ब्रह्म आनंदमश फिल्म की प्री–रिलीज इवेंट में अपनी सेक्सिस्ट बयान दिया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी खूब फजीहत हो रही है। चिरंजीवी इवेंट में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पोता होने की चाहत का जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि कहीं उनके बेटे राम चरण को फिर से बेटी ना हो जाए।

चिरंजीवी के बयान पर विवाद

सोशल मीडिया पर चिरंजीवी को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोग कह रहे हैं कि उन जैसे मेगास्टार का कद जहां सिनेमा के पर्दे पर इतना बड़ा है, वहीं उनकी सोच बहुत ही छोटी है। उन पर लैंगिक भेदभाव यानी लड़का–लड़की में फर्क करने के गंभीर आरोप लग रहे है। चिरंजीवी ने इवेंट में यह भी कहा कि जब वह घर पर रहते हैं, तो उन्हें ऐसा लगता है कि वो लेडीज हॉस्टल में हैं, क्योंकि वो पोतियों–नातिनों से घिरे रहते हैं।

चिरंजीवी ने इवेंट पोते की चाहत पर कही ये बात

चिरंजीवी ने ब्रह्म आनंदम के इवेंट में कहा, जब मैं घर पर होता हूं, तो ऐसा नहीं लगता कि मैं अपनी पोतियों–नातिनों से घिरा हुआ हूं। ऐसा लगता है कि मैं एक लेडीज हॉस्टल वार्डन हूं, जो चारों ओर महिलाओं से घिरा हुआ है। मैं (राम) चरण से यही चाहता हूं और कहता हूं कि कम से कम इस बार तो बेटा हो, ताकि हमारी विरासत आगे बढ़े, लेकिन उसकी बेटी उसकी आंखों का तारा है... मुझे डर है कि कहीं उसे फिर से लड़की न हो जाए।

महिला यूजर बोली- यह भयानक है, निराशाजनक है

सोशल मीडिया पर चिरंजीवी के इस विवादित बयान का वीडियो वायरल हो रहा है। एक एक्स यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, श्चिरंजीवी को डर है कि उनके बेटे राम चरण की एक और बेटी हो सकती है। 2025 में, एक मर्द उत्तराधिकारी के लिए ऐसा जुनून? यह निराशाजनक है, लेकिन आश्चर्यजनक नहीं। प्लीज नोट– मेरी एक लड़की है, और मैंने सैकड़ों लोगों से सुना है कि मैं अगला बेटा पैदा करूंगी। यह भयानक लगता है जब लोग चाहते हैं कि हम उन चीजों को कंट्रोल करें जो मैं नहीं कर सकती।

वो लड़की भी विरासत को वैसे ही आगे बढ़ा सकती है

एक अन्य यूजर ने लिखा है, चिरंजीवी गारू से इन शब्दों को सुनकर बहुत दुख हुआ है। अगर वो एक लड़की है तो डर कैसा? वो विरासत को उसी तरह आगे बढ़ा सकती है, जैसे लड़के करते हैं या उससे भी बेहतर तरीके से। इस तरह की बातें एक गलत संदेश देती है, हमें पीछे ले जाती है।

जब पोती के जन्म पर चिरंजीवी ने किया था पोस्ट

वैसे, जानकारी के लिए बता दें कि 20 जून 2023 को राम चरण और उपासना कोनिडेला ने बेटी क्लिन कारा को जन्म दिया। तब दादा बनते ही चिरंजीवी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और लिखा, स्वागत है, लिटिल मेगा प्रिंसेस! आपने अपने आने पर लाखों लोगों के मेगा परिवार में खुशियां फैला दी हैं, जैसे आपने धन्य माता–पिता राम चरण, उपासना और हम दादा–दादी को खुश और गौरवान्वित किया है!!

चिरंजीवी की हैं दो बेटियां, 4 नातिन और 1 पोती

चिरंजीवी के परिवार की बात करें तो राम चरण के अलावा उनकी खुद की दो बेटियां हैं, श्रीजा कोनिडेला और सुष्मिता कोनिडेला। श्रीजा की दो बेटियां हैं, नविष्का और निवरती।

अल्लू अर्जन के मुंह पर उल्टी कर देंगे हिंदी दर्शक

फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने श्पुष्पाश की भारी सफलता पर बात की और कहा कि हिंदी फिल्म निर्माता ऐसी फिल्में बनाने में असमर्थ हैं क्योंकि उनकी संवेदनशीलता इसे नहीं सूट करती। उन्होंने बताया कि हिंदी फिल्म निर्माता केवल बांद्रा क्षेत्र तक सीमित हैं जबकि साउथ के डायरेक्टर्स जड़ों से जुड़े हुए हैं।

हिंदी फिल्म निर्माता बांद्रा क्षेत्र तक ही सीमित हैं

पिंकविला से बात करते हुए, वर्मा ने कहा, हिंदी फिल्म निर्माता बांद्रा क्षेत्र तक ही सीमित हैं। अधिकांश साउथ डायरेक्टर्स, मैं नाम नहीं लूंगा, वे अंग्रेजी भी नहीं बोल सकते। वे बहुत ही साधारण हैं, बहुत ही जड़ों से जुड़े हुए हैं। वे इंटलेक्चुअल होकर बात नहीं करेंगे। वे बड़े पैमाने पर दर्शकों से अधिक जुड़े हुए हैं, जो मुझे लगता है, एक बॉलीवुड निर्देशक के लिए असंभव है।

नहर्थ के दर्शक इस लड़के के चेहरे पर उल्टी कर देंगे

राम गोपाल वर्मा ने कहा, बॉलीवुड में कोई भी पुष्पा 2 जैसी फिल्म नहीं बना सकता, इसलिए नहीं कि वे सक्षम नहीं हैं, बल्कि इसलिए कि वे ऐसा नहीं सोच सकते। एक बड़े फिल्म प्रड्यूसर ने जो कहा, उसके बारे में एक कहानी सुनाते हुए उन्होंने कहा, जब उन्होंने पुष्पा 1 देखी तो उन्होंने एक व्यक्ति से कहा कि नॉर्थ के दर्शक इस लड़के के चेहरे पर उल्टी कर देंगे। मुझे नहीं लगता कि इसका पैसे से कोई लेना–देना है, इसका संबंध किरदार से है। प्रड्यूससर को सिक्स–पैक वाला, बेहद खूबसूरत लड़का पसंद है... पुष्पा 1 और 2 के बाद अब उसे बुरे सपने आ रहे होंगे।

साउथ के निर्देशक सिर्फ सीन देखते हैं, उन्हें कहानी की परवाह नहीं

आरजीवी ने कहा कि बॉलीवुड में संवेदनशीलता का अंतर है और इसका दर्शकों से कोई लेना–देना नहीं है, क्योंकि लोग देश के किसी भी कोने से फिल्में देखेंगे अगर वे अच्छी तरह से बनाई गई हों। आरजीवी ने आगे कहा, सितारों को हमेशा सितारों का किरदार निभाना चाहिए, उन्हें किरदार नहीं निभाना चाहिए। अगर वे बदलते हैं, तो आप अलग हो जाएंगे। अगर आप बदलते भी हैं, तो आपको उसी भावना को पूरा करना चाहिए, बॉलीवुड में, कहानी पर बहुत जयादा जोर दिया जाता है। साउथ के निर्देशक सिर्फ सीन देखते हैं, उन्हें कहानी की परवाह नहीं है। एक बड़े एक्टर ने एक बार मुझसे कहा था– मैं कभी कहानी नहीं सुनता, मेरा सिर्फ एक ही सवाल होता है, मेरी एंट्री क्या है?

कुछ लक्षणों की मदद से पहचाना जा सकता हार्ट अटैक को

हार्ट अटैक के मामले अब बच्चों में भी सामने आने लगे हैं। इसलिए हर उम्र के व्यक्ति को इसके कुछ वॉर्निंग साइन्स के बारे में पता होना चाहिए। जानें हार्ट अटैक के ऐसे ही कुछ लक्षण।

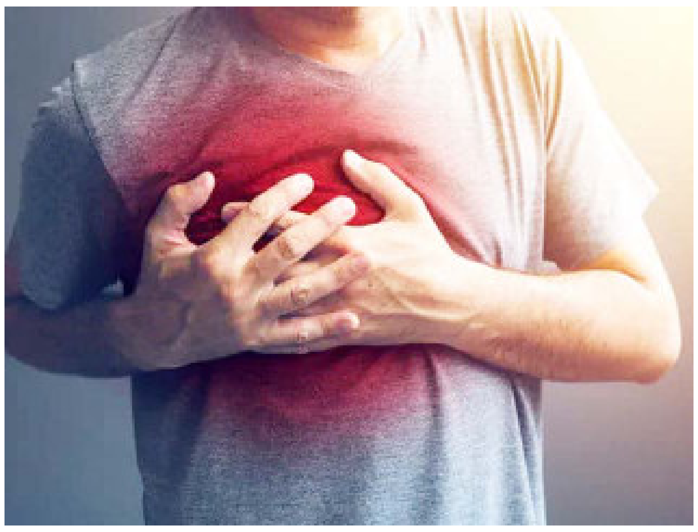

सीने में दर्द या बेचैनी (चेस्ट पेन)

हार्ट अटैक का सबसे आम लक्षण सीने में दर्द या बेचैनी है। इसे अक्सर दबाव, जकड़न, भारीपन या जलन के रूप में महसूस किया जाता है। यह दर्द आमतौर पर सीने के बीच में होता है और कुछ मिनटों से ज्यादा समय तक रह सकता है। कभी–कभी यह दर्द गर्दन, बाईं तरफ के जबड़े, कंधे, पीठ या बांहों तक फैल सकता है। हालांकि, सीने में दर्द कई बार गैस की वजह से भी हो सकती है।

सांस लेने में तकलीफ

सीने में दर्द के साथ या बिना, सांस लेने में तकलीफ हार्ट अटैक का एक मुख्य संकेत हो सकता है। यह समस्या तब होती है जब दिल ठीक से काम नहीं कर पाता और फेफड़ों तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। अगर आपको बिना किसी मेहनत के सांस लेने में दिक्कत हो रही है, तो यह हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। अचानक ठंडा पसीना आना हार्ट अटैक का एक और वॉर्निंग साइन है।

चक्कर आना या बेहोशी

हार्ट अटैक के दौरान दिल की काम करने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे दिमाग तक भरपूर ब्लड नहीं पहुंच पाता और ब्लड प्रेशर कम होने लगता है। इससे चक्कर आना, सिर हल्का महसूस होना या बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

मतली या उल्टी

हार्ट अटैक के दौरान कुछ लोगों को मतली, उल्टी या पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। यह लक्षण अक्सर महिलाओं में ज्यादा देखा जाता है। अगर आपको बिना किसी साफ कारण के मतली या उल्टी हो रही है, तो इसे गंभीरता से लें। इसके अलावा, कई लोगों को हार्ट अटैक से पहले अपच या सीने में जलन भी महसूस हो सकती है। अगर आपको बिना किसी मेहनत के बहुत ज्यादा थकान महसूस हो रही है, तो यह हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

बांह, गर्दन या जबड़े में दर्द

हार्ट अटैक के दौरान दर्द सीने से शुरू होकर बांह, गर्दन, जबड़े या पीठ तक फैल सकता है। यह दर्द आमतौर पर बाएं हाथ में ज्यादा महसूस होता है, लेकिन दाएं हाथ में भी हो सकता है। अगर आपको इन क्षेत्रों में अचानक दर्द हो रहा है, तो यह भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको अपने दिल की धड़कन में अनियमितता महसूस हो रही है, तो यह हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

डायबिटीज में फायदेमंद हो सकता है शुगर बादाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुनिया में करोड़ों लोग हाई ब्लड शुगर की बीमारी से परेशान हैं। इसके अलावा लाखों प्री डायबिटिक हैं, जिन्हें पता ही नहीं कि मधुमेह की बीमारी शुरू होने वाली है। इस बीमारी के साथ एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने का खतरा भी बढ़ जाता है। यह नसों को ब्लॉक कर देता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। इन दोनों समस्याओं को एकसाथ ही खत्म किया जा सकता है। इसके लिए प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जिसमें शुगर बादाम भी आता है, जिसे कड़वा बादाम, स्काई फ्रूट और महोगनी के बीज भी कहा जाता है।

क्या है खाने का तरीका?

जानकारी के मुताबिक स्काई फ्रूट ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकता है। यह इम्यूनिटी भी बढ़ा सकता है। जिससे संक्रमण और रोगों से बचाव होता है। डॉक्टर ने इसके सेवन का सही तरीका भी बताया, वरना कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

इंसुलिन की नहीं होगी कमी

डॉक्टर ने शुगर बादाम को डायबिटीज कंट्रोल करने वाला बताया। यह पैंक्रियाज में इंसुलिन का उत्पादन बढ़ाता है। इसके सैपोनिन आंतों में ग्लूकोज का अवशोषण कंट्रोल करते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक इसका नियमित सेवन करने से रक्त शर्करा को काबू रखा जा सकता है।

बाहर निकलेगा गंदा कोलेस्ट्रॉल

यह फल कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करता है। यह एक चिपचिपा पदार्थ है जो खून में रहता है। ज्यादा होने पर आर्टरी में जम जाता है और हार्ट डिजीज व स्ट्रोक का खतरा बढ़ाता है। इसमें फ्लेवोनोइड होते हैं, जो ऑक्सीडेशन रोकते हैं और एलडीएल को इकट्ठा नहीं होने देते।

इम्यूनिटी भी बढ़ेगी

इंफेक्शन और बीमारी से लड़ने का काम इम्यूनिटी करती है। अल्कालोइड की वजह से इस फल का स्वाद कड़वा होता है। यह केमिकल इम्यून सिस्टम को बूस्ट करता है और बीमारी से बचाता है। इसमें इंफ्लामेशन और दर्द कम करने की शक्ति भी होती है।

कैसे करें इस्तेमाल?

स्काई फ्रूट की चाय बनाकर पी सकते हैं। इसके लिए कुछ बीजों को 15 मिनट तक पानी में उबालें। इस ड्रिंक को दिन में एक या दो बार खाने से पहले पी सकते हैं। इसके अलावा इन बीजों का पाउडर बना लें और थोड़ी मात्रा लेकर शहद या पानी के साथ लें। इस मिक्सचर को भी दिन में एक या दो बार ले सकते हैं। हालांकि डायबिटीज के मरीज शहद का इस्तेमाल ना करें।

कुछ सावधानी रखें ध्यान

वैसे तो इसका सेवन सुरक्षित है। लेकिन डॉक्टर ने कुछ दवा या स्थिति में इसके आशंकित दुष्प्रभाव बताए हैं। जिनमें जी मिचलाना, डायरिया, सिरदर्द, एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। इसलिए इसका सेवन करने से पहले किसी डॉक्टर या आयुर्वेदिक एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

वेट लॉस करने के लिए रोजाना कर रहे हैं वॉकिंग, कितना चलना है जरूरी

सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट के साथ–साथ एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी होती है। हालांकि, रोजाना जिम जाकर वर्कआउट करना या घंटों कसरत करना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं हो पाता। ऐसे में वॉक करना एक आसान तरीका है, बिना मेहनत खुद को फिजिकली फिट और एक्टिव रखने का। वॉकिंग एक प्रभावी तरीका है, जो सभी उम्र के लोगों के लिए असरदार और फायदेमंद होता है। ज्यादातर लोग वजन घटाने के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल करते हैं। यह एक ऐसा वर्कआउट है, जिसे आसानी से बिना किसी डिवाइस के कभी भी कहीं भी किया जा सकता है। हालांकि, आपकी गति, तीव्रता और चलने के मिनट काफी हद तक आपकी उम्र पर निर्भर करते हैं। अगर आप एक वयस्क हैं यानी अगर आपकी उम्र 18 से 40 साल के बीच है, तो हफ्ते में पांच दिन 45 से 60 मिनट तक तेजी से चलना चाहिए। चलने की यह अवधि आपके हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाती है, मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती है और कैलोरी को ज्यादा अच्छे से बर्न करने में मदद करती है। 40 से कम उम्र के लोगों को रोजाना 10,000 कदम तेज चलने का टारगेट रखना चाहिए।

अंडा और पनीर प्रोटीन के सबसे बेहतरीन सोर्स, क्या खाना ज्यादा बेहतर

अंडा और पनीर दोनों ही प्रोटीन से भरपूर फूड्स हैं जो वजन कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इनमें से क्या चुनना ज्यादा फायदेमंद होगा? आइए, इस सवाल का जवाब जानते हैं। दोनों ही ऑप्शन वजन कम करने के लिए बेहतर हैं, लेकिन यह आपकी व्यक्तिगत पसंद, डाइट की जरूरतों और लाइफस्टाइल पर निर्भर करता है। यदि आप नॉन–वेजिटेरियन हैं, तो अंडा एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है, क्योंकि इसमें सभी जरूरी अमीनो एसिड्स होते हैं। वहीं, यदि आप शाकाहारी हैं, तो पनीर आपके लिए प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। अंडे को प्रोटीन का पावरहाउस माना जाता है। इसमें हाई क्वालिटी वाला प्रोटीन पाया जाता है, जो मांसपेशियों के निर्माण और मरम्मत के लिए जरूरी है। वजन कम करने के लिए अंडे का सेवन फायदेमंद है, क्योंकि पेट भरा रहता है। पनीर, जिसे कॉटेज चीज भी कहा जाता है, एक और बेहतरीन प्रोटीन का सोर्स है। यह खासतौर से शाकाहारियों के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। पनीर में कैलोरी कम होती है, लेकिन प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रेकफास्ट से इन चीजों को फौरन कर दें बाहर, नहीं तो धीरे–धीरे बना देंगे बीमार

आज हम बात करेंगे तीन ऐसी चीजों की, जिन्हें हम आमतौर पर हेल्दी मानकर ब्रेकफास्ट में शामिल करते हैं, लेकिन असल में वे हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। व्हाइट ब्रेड में रिफाइंड कार्ब्स होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाते हैं और फिर अचानक गिरा देते हैं। इससे आपको थकान और भूख का एहसास हो सकता है। इसके बजाय, होल ग्रेन ब्रेड या मल्टीग्रेन ब्रेड का इस्तेमाल करना बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि इनमें फाइबर और पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में होते हैं। बच्चों और बड़ों दोनों को शुगरी सीरियल्स बहुत पसंद आते हैं। ये सीरियल्स देखने में रंगीन और खाने में स्वादिष्ट लगते हैं, लेकिन इनमें शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ज्यादातर शुगरी सीरियल्स में प्रोसेस्ड शुगर और आर्टिफिशियल फ्लेवर होते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हैं। पैकेज्ड जूस को अक्सर हेल्दी समझा जाता है, लेकिन यह धारणा गलत है। पैकेज्ड जूस में सिर्फ नेचुरल फलों का रस नहीं होता, बल्कि इसमें शुगर, प्रिजर्वेटिव्स और आर्टिफिशियल फ्लेवर मिलाए जाते हैं। एक गिलास पैकेज्ड जूस में लगभग 5–6 चम्मच शुगर हो सकती है, जो आपकी डेली शुगर इनटेक को बढ़ा देती है।

इंग्लैंड टीम को पूर्व कप्तान ने जमकर लगाई लताड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर दमदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 142 रन के विशाल अंतर से मात दी। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में इंग्लैंड का 3–0 से क्लीन स्वीप किया। इंग्लैंड की तीनों मैचों में एकतरफा शिकस्त रही। तीसरे मैच के दौरान भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि इंग्लैंड टीम ने पूरी वनडे सीरीज के दौरान केवल एक अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने रवि शास्त्री के दावे पर मजबूत प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर कम प्रतिबद्धता दिखाने के लिए जमकर भड़ास निकली। पीटरसन ने मैच के बाद कहा कि जब इंग्लैंड के केवल एक नेट सेशन की बात सुनी तो वो हैरान रह गए। मुझे माफ कीजिएगा, लेकिन आप उप–महाद्वीप में आकर वो ही गलतियां नहीं दोहरा सकते और फिर फैसला करें कि मैं अभ्यास नहीं करूंगा। मैं हैरान था जब सुना कि इंग्लैंड ने पहले मैच के बाद अभ्यास सत्र नहीं किया।

पीटरसन ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

पीटरसन ने मैच के बाद अपने विचार सोशल मीडिया पर भी प्रकट किए। पीटरसन ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर तंज कसते हुए कहा कि निराशाजनक हार के बाद खिलाड़ियों ने नेट सेशन करने के बजाय गोल्फ खेलना बेहतर समझा। मैं समझ गया। आप समय का आनंद उठाएं। यह आपके जिंदगी के सबसे शानदार समय में से एक है। गोल्फ खेलें और अपना समय शानदार बनाएं। इंग्लैंड के लिए खेलने का आनंद उठाएं। मगर क्रिकेट में आपाके रन बनाने के पैसे मिलते हैं। आपको मैच जीतने के पैसे मिलते हैं।

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को चैंपियन बनाएगा नया लीडर!

क्रिकेट

रजत पाटीदार को आरसीबी का बनाया गया कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे मशहूर फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को नया कप्तान मिल गया है। हालांकि, यह विराट कोहली के चाहने वालों के लिए थोड़ा हैरान करने वाली खबर है, क्योंकि क्रिकेट किंग कप्तान के रूप में नहीं दिखेंगे। टीम के होनहार और विस्फोटक बल्लेबाज रजत पाटीदार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का कप्तान घोषित किया गया है। फ्रेंचाइजी ने 13 फरवरी यानी आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कप्तान के नाम का ऐलान किया। रजत पाटीदार ने अपनी शानदार बैटिंग के दम पर पिछले सीजन काफी मैच जितवाए थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विराट कोहली का भी वीडियो दिखाया गया, जिसमें उन्होंने रजत पाटीदार की तारीफ करते हुए कप्तान बनाए जाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा– रजत पाटीदर इस फ्रेंचाइजी में निखरे हैं। उनके अंदर क्षमता है। हम सभी का सपोर्ट उन्हें रहेगा। हम सभी चाहते हैं कि वह टीम की महानता को आगे लेकर जाएं। साथ ही कोहली ने फैंस से कहा– मुझे उम्मीद है नए कप्तान रजत को खूब सपोर्ट मिलेगा।

रजत पाटीदार 2021 से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा हैं। उन्हें पहले सीजन में सिर्फ 4 मैच मिले थे, जबकि उन्होंने 71 रन बनाए थे। हालांकि, 2022 में उन्होंने एक शतक सहित 8 मैचों में 333 रन ठोके, जबकि 152.75 का स्ट्राइक रेट रहा। 2024 में भी उनका बल्ला खूब बोला। उन्होंने 15 मैचों की 13 पारियों में 395 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 177.13 का रहा। आईपीएल करियर में उनके नाम 27 मैचों में 799 रन हैं, जिसमें एक शतक और 7 अर्धशतक है।

पिछले सीजन तक साउथ अफ्रीका के धाकड़ फाफ डु प्लेसिस कप्तान थे। हालांकि, टीम को खिताब जितवाने का सपना वह भी पूरा नहीं कर सके। 2016 में विराट कोहली की कप्तानी में टीम फाइनल में पहुंची थी, जहां डेविड वॉर्नर की कप्तानी वाली सनराइजर्स हैदाबाद से हार का सामना करना पड़ा था। विराट कोहली के लिए वह सीजन जबरदस्त रहा था। उन्होंने अकेले 4 शतक ठोकते हुए 973 रन बनाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी में अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी पर कोई जानकारी देने से इंकार कर दिया है। बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हुए, इस पर गंभीर ने कहा कि मेडिकल स्टाफ तेज गेंदबाज के बारे में अपडेट देने के लिए सही लोग हैं। याद दिला दें कि जसप्रीत बुमराह को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के दौरान पीठ में दर्द हुआ था। सिडनी में खेले गए मुकाबले में बुमराह ने आखिरी दिन गेंदबाजी नहीं की थी जबकि उस सीरीज में उन्होंने 32 विकेट झटके थे। 32 साल के बुमराह को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की प्रारंभिक टीम में रखा गया था। फिर बीसीसीआई ने

■बुमराह के बाहर होने पर आखिरकार गंभीर ने तोड़ी चुप्पी

पुष्टि की थी कि तेज गेंदबाज कमर की चोट के कारण आगामी चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। भारतीय टीम की इंग्लैंड पर 3–0 से जीत के बाद गौतम गंभीर ने बुमराह की गैरमौजूदगी पर प्रतिक्रिया दी।

गौतम गंभीर ने कहा कि निश्चित ही बुमराह बाहर हो गए हैं। मगर सभी जानकारी में आपको नहीं दे सकता क्योंकि यह मेडिकल टीम बता पाएगी कि वो कितने समय तक बाहर रहेंगे। एनसीए में मेडिकल टीम ही बुमराह के बारे में फैसला लेगी। गंभीर ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में अपने प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। हेड कोच ने साथ ही कहा कि अन्य खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का शानदार मौका है।

निश्चित ही हम बुमराह को हर हाल में टीम में चाहते थे। हम जानते हैं कि वो क्या कर सकते हैं। वो वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं। मगर कुछ चीजें आपके हाथों में नहीं होती हैं। इसलिए अन्य युवाओं जैसे हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह के पास मौका है कि अपनी जिम्मेदारी समझे और देश के लिए कुछ करें। भारतीय हेड कोच ने कहा कि बुमराह का साथ नहीं मिले, लेकिन मोहम्मद शमी का अनुभव आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के काम आएगा। मोहम्मद शमी ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद भारतीय टीम में वापसी की और अपनी लय हासिल करते हुए नजर आए।

रोहित शर्मा ने पास किया कप्तानी का बड़ा टेस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे मैच में 142 रनों से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में आसानी से क्लीन स्वीप कर दिया। चौंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले भारतीय टीम तगड़ी फॉर्म में है। टीम के साथ–साथ कप्तान रोहित शर्मा ने भी इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी लय हासिल कर ली है। रोहित ने बल्ले से तो इस सीरीज में बवाल काटा ही इसके अलावा हिटमैन ने कप्तानी में भी एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में जीत मिलते ही टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने एक रिकॉर्ड के मामले में सौरव गांगुली को पीछे छोड़ दिया है। रोहित के नाम अब बतौर भारतीय कप्तान कुल 98 में जीत हो चुकी हैं।

न्यूज डायरी

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ऋषभ पंत को मिला तगड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने पुष्टि कर दी है कि आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में पहली पसंद केएल राहुल हैं। इस तरह गंभीर ने संकेत दिए कि ऋषभ पंत को चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी बेंच पर बैठना पड़ सकता है। पंत एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिन्हें इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला जबकि अन्य सभी सदस्यों को कम से कम एक अवसर जरूर मिला। केएल राहुल पहले दो मैचों में नंबर–6 पर संघर्ष करते दिखे, लेकिन तीसरे मैच में उन्होंने नंबर–5 पर आकर 29 गेंदों में 40 रन बनाए और अपनी जगह पुख्ता की। केएल राहुल हमारे नंबर–1 विकेटकीपर हैं और इस समय मैं बस इतना ही कह सकता हूं। ऋषभ पंत को अपना मौका मिलेगा, लेकिन इस समय केएल राहुल अच्छा कर रहे हैं और हम दो विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं खिला सकते हैं। जब गंभीर से पूछा गया कि शुरुआती मैचों में अक्षर पटेल को केएल राहुल पर तरजीह क्यों दी गई जबकि दाएं हाथ के बल्लेबाज का इस क्रम पर औसत दमदार है। इस पर गंभीर ने व्यक्तिगत आंकड़े के बजाय टीम प्राथमिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, श्हम औसत और आंकड़े नहीं देखते। हमारा ध्यान इस पर होता है कि कौन कब प्रदर्शन करके दे सकता है।

मोहम्मद रिजवान और सलमान अली ने खेली तूफानी पारियां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सलमान अली अगा और मोहम्मद रिजवान के बीच हुई रिकॉर्ड साझेदारी के दम पर पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को छह विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने मेजबान पाकिस्तान को जीत के लिए 353 रनों का टारगेट दिया था जिसे उसने एक ओवर पहले चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए कप्तान रिजवान ने 128 गेंदों पर 122 रनों की पारी खेली। वहीं सलमान ने 103 गेंदों का सामना करते हुए 134 रनो की पारी खेली। अपनी पारी में रिजवान ने नौ चौके और तीन छक्के मारे। सलमान ने 16 चौके और दो छक्कों की मदद से ये पारी खेली। ये पाकिस्तान की वनडे में अभी तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इतना बड़ा टारगेट कभी चेज नहीं किया था। रिजवान और सलमान ने चौथे विकेट के लिए 260 रनों की साझेदारी की। ये पाकिस्तान के लिए वनडे में इस विकेट के लिए अभी तक की सबसे बड़ी साझेदारी है। इन दोनों ने मोहम्मद यूसुफ और शोएब मलिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इन दोनों ने 206 रनों की साझेदारी की थी। पाकिस्तान को सधी हुई शुरुआत मिली थी। पाकिस्तान यूं तो चेज करने के लिए जानी नहीं जाती है, लेकिन रिजवान और सलमान ने जो पारियां खेली उसने सभी को हैरान कर दिया।

एक रन ने केरल को सेमीफाइनल में पहुंचाया, किसी तरह बचाई लाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पुणे। क्रिकेट में एक रन भी कितना महत्वपूर्ण होता है, ये केरल की टीम से पूछना चाहिए। जम्मू–कश्मीर के विरुद्ध रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक रन ने उसे सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। जम्मू–कश्मीर और केरल के बीच भले ही यह मैच ड्रॉ रहा, लेकिन पहली पारी में एक रन की बढ़त से केरल ने अंतिम चार में जगह बनाई। केरल के सामने 399 रन का मुश्किल लक्ष्य था, लेकिन उसके बल्लेबाजों ने पूरे धैर्य के साथ बल्लेबाजी करके जम्मू–कश्मीर को पांचवें और अंतिम दिन जीत हासिल नहीं करने दी। केरल ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 295 रन बनाए। जम्मू–कश्मीर ने अपनी पहली पारी में 280 रन बनाए थे, जिसके जवाब में केरल ने 281 रन बनाकर एक रन की बढ़त हासिल की जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। जम्मू कश्मीर ने अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 399 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। मैच ड्रॉ करने में केरल के बल्लेबाज सलमान निजार (नाबाज 44) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (नाबाद 67) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमारा दून

वरिष्ठ पत्रकार मंजुल मांजिला के आवास पर पहुंचकर कर श्रद्धांजलि देते हुए सीएम।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने वरिष्ठ पत्रकार मंजुल मांजिला के निधन पर दुःख व्यक्त किया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ पत्रकार मंजुल मांजिला के निधन पर दुःख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को स्व. मंजुल के हर्रावाला स्थित आवास पर पहुंचकर कर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारजनों से भेंट कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी को दिवंगत पत्रकार मंजुल मांजिला के परिवारजनों को हर संभव मदद करने और तय प्रावधान के अनुसार उनके परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिये हैं। इस दौरान मेयर सौरभ थपलियाल एवं महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी भी मौजूद थे।

पलायन रोकने को रोजगारपरक योजनाओं पर फोकस करें बैंक: राधा रतूड़ी

संवाददाता देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि बैंकर्स और उद्यमी राज्य के सीमांत क्षेत्रों में पलायन को रोकने के लिए रोजगारपरक योजनाएं तैयार करें और स्थानीय लोगों के सशक्तिकरण में सहयोग करें। गुरुवार को राजपुर रोड स्थित एक होटल में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक–नाबार्ड के स्टेट क्रेडिट सेमिनार में मुख्य सचिव ने कहा कि खासकर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य में अपार संभावनाएं हैं। सौर ऊर्जा पर फोकस करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने का प्रयास किया जाए।

निगम कर्मियों का बकाया भुगतान लटकने पर निगम महासंघ नाराज

संवाददाता देहरादून। राज्य के निगम, निकाय कर्मचारियों का बकाया भुगतान लटकने, वेतन विसंगति, रिकवरी पर राज्य निगम कर्मचारी अधिकारी महासंघ ने विरोध जताया। महासंघ ने इन सभी समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए: सीएम

निर्देश

■ मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। राज्य में वनाग्नि की चुनौतियों से समाधान के लिए वनाग्नि की पिछली घटनाओं में आई समस्याओं का ध्यान में रखते हुए आगे की योजनाएं बनाई जाए। वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सभी विभागों के साथ ही सामाजिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, महिला मंगल दलों, युवक मंगल दलों और वन पंचायतों का भी वनाग्नि की घटनाओं को रोकने में सहयोग लिया जाए। वनों में आग लगाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को आई.टी. पार्क देहरादून स्थित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में वनाग्नि नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार तथा उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनाग्नि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी विभागों को एकजुटता से कार्य करना होगा। उन्होंने अपर मुख्य सचिव आर.के. सुधांशु को निर्देश दिये कि वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए सभी विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पत्र जारी किया जाए। वनाग्नि को रोकने के लिए शीतलाखेत मॉडल के साथ ही चाल–खाल, तलैया और अन्य प्रभावी उपायों पर कार्य किये जाएं। इसके लिए जलागम विभाग का भी सहयोग लिया जाए। आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर अधिक बल दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनाग्नि से राज्य को अनेक चुनौतियों से जूझना पड़ता है। वन संपदा के नुकसान के साथ ही पशु हानि भी होती है। उन्होंने कहा कि वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए व्यापक स्तर पर नियमित जागरूकता अभियान चलाये जाए। नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से भी अपील की है कि वनाग्नि की घटनाओं को रोकने में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए संयुक्त रूप से आयोजित इस मॉक ड्रिल में 06 जनपदों के 16 स्थान चिन्हित किये गये। वनाग्नि के कारण विभिन्न परिस्थितियों का किस तरह समाधान करना है, रिस्पांस टाइम कम करने, वनाग्नि को रोकने के लिए जन सहयोग और अन्य प्रभावी उपायों पर मॉक ड्रिल की गई।

इस अवसर पर राज्य सलाहकार समिति आपदा प्रबंधन विभाग के उपाध्यक्ष विनय कुमार रुहेला, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, आईजी फायर मुख्तार मोहसिन, एनडीएमए के सीनियर कंसल्टेंट आदित्य कुमार, अपर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, अपर सचिव विनीत कुमार, अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबेदुल्लाह अंसारी और वर्चुअल माध्यम से संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य को आधुनिक उपकरण देने पर सीएम ने जताया आभार

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल से जरूर वनाग्नि के समय उस पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वनाग्नि को रोकने के लिए राज्य को आधुनिक उपकरण देने पर भी मुख्यमंत्री ने आभार व्यक्त किया।

दून को भिक्षावृत्तिमुक्त बनाने में जिला प्रशासन प्रयासरत

पहल

■भिक्षावृत्तिमुक्त देहरादून बनाने को डीएम, सीडीओ की अभिनव पहल

संवाददाता

देहरादून। देहरादून जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त करने हेतु डीएम सविन बंसल के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने गुरुवार को बैगर्स कार्पोरेशन लि. के साथ एमओयू किया है। डीएम के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी पिछले 03 माह से इस प्रोजेक्ट पर कार्य रहे थे, जो आखिरकार आज धरातल पर उतर गया है। इस प्रोजेक्ट की जिलाधिकारी स्वयं मॉनिटिरिंग कर रहे है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यस्क लोगों को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर मुख्यधारा रोजगार से जोडते हुए उद्यमी बनाना है।

जिलाधिकारी ने स्वयं और अपनी जिला प्रशासन की टीम की ओर से बैगर्स कारपोरेशन लि. का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दून को भिक्षावृत्तिमुक्त बनाने में जिला प्रशासन प्रयासरत् है। उन्होंने अपेक्षा बैगर्स कारर्पोरेशन के प्रतिनिधियों से जिला प्रशासन के इस मुहिम सहयोग में सहयोग की अपेक्षा की। कहा कि भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यस्क लोगों को कौशल विकास का प्रशिक्षण देते हुए रोजगार की तरफ मोड़ते हुए आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य है। इसके लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें सेन्टर में भर्ती कर उनकी क्षमता का आकलन करते हुए उन्हें अपने कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों रेस्क्यू कर कौशल प्रशिक्षण चुने गए व्यवसाय उद्यम के आधार पर सिलाई, भोजन तैयार करना, हस्तशिल्प बनाना जैसे आवश्यक कौशल प्रदान किए जाएंगे। वित्तीय सहायता उनके व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुरुआती फंडिंग या माइक्रोलोन प्रदान करने आदि कार्य बैगर्स कार्पोरेशन द्वारा किया जाएगा।

प्रदेश के सभी निजी स्कूलों में भी दी जाएगी आयरन फोलिक एसिड

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में राज्य सरकार 'अनीमिया मुक्त भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र से प्रदेश के सभी निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को साप्ताहिक आयरन–फोलिक एसिड वितरित करने जा रही है, जिस हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वीकृति भी दे दी गई है। वर्तमान में प्रदेश के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में साप्ताहिक आयरन फोलिक एसिड की गोलियाँ निरंतर दी जा रही हैं। राज्य में लगभग 50 प्रतिशत बच्चे निजी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत हैं जो अब तक इस कार्यक्रम से आच्छादित नहीं थे। इस पहल से कुल 17 लाख से अधिक बच्चों को लाभ मिलेगा और अनीमिया की व्यापकता दर में कमी लाई जा सकेगी।

60 प्रतिशत लोगों को भविष्य की फाइनेंशियल सिक्योरिटी की चिंता

संवाददाता देहरादून। भारत में सैंडविच जेनरेशन के लोग अपने माता–पिता और बच्चों की जिंदगी को हर संभव तरीके से सबसे बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, फिर भी उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने भविष्य के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। एडलवाइज लाइफ इंश्योरेंस की एक स्टडी के अनुसार, 60 प्रतिशत उत्तरदाता इस बात से सहमत हैं कि, चाहे मैं कितनी भी सेविंग या इन्वेस्ट कर लूँ, पर ये भविष्य के लिए काफी नहीं है।